किराएं से देना
सेमी फर्निश्ड मकान
किराए पर उपलब्ध है
1BHK,2BHK,3BHK
सूर्यांश परिसर पद्मावती
रिसोर्ट के सामने मेन रोड,
मंदसौर
मो- 9981257396

डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे
गुरु एक्सप्रेस
सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 26 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 03 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

गरोठ विधानसभा

मल्हारगढ़ विधानसभा

सुवासरा विधानसभा

मंदसौर विधानसभा

गली-गली में गूंज रहा पुराने विरोधियों का हुंकारा

हिसाब बराबर करने की धुन बजा रहा इकतारा, गरोठ, मल्हारगढ़ और सुवासरा में पुराने प्रत्याशी के बीच सिमटी जंग

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिद्वंदिता जितनी पुरानी होती है उतनी ही गहरी होती जाती है। ऐसे में इसमें जीत-हार प्रतिष्ठा का प्रश्न और हिसाब बराबर करने का मौका भी होता है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भी जिले की तीन सीटों पर पुराने प्रतिद्वंदी फिर चुनावी रण में ताल ठोक रहे हैं। यह सीटें पुराना हिसाब चुकता करने के लिए चर्चा में हैं। पिछली बार के चुनाव में हार का सामना करने वाले नेताजी इस बार पूरी ताकत झोंक रहे हैं। उनके मन की कसक प्रचार के दौरान बार-बार छलक कर बाहर आ रही है। उनकी कोशिश है कि जीत दर्ज कर पुरानी हार का बदला लिया जाए। वहीं जीत दर्ज करने वालों की प्रतिष्ठा दांव पर है।

यहां बात विरासत को कायम रखने की...

गरोठ विधानसभा क्षेत्र में 2018 के पहले हुए उपचुनाव में भाजपा ने कांग्रेस को हरा दिया था। यहां हारने वाले प्रत्याशी थे पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठनेता सुभाष सोजतिया। हराने वाले भाजपा प्रत्याशी थे चंदरसिंह सिसौदिया। सुभाष सोजतिया यहां से 1985 से चुनाव में उतर रहे हैं। चार बार विधायक रह चुके हैं। मतलब यहां विरासत को कायम रखने की चुनौती सोजतिया के पास है। जहां पूर्व प्रतिद्वंदी चंदरसिंह सिसौदिया उनके सामने फिर से मैदान में है।

रसूख की परीक्षा...

मल्हारगढ़ सीट इस बार ज्यादा ही चर्चाओं में है। यहां दो लोगों के रसूख की बात है। यहां भाजपा से केबिनेट मंत्री जगदीश देवड़ा और कांग्रेस से परशुराम सिसौदिया मैदान में है। यहां से परशुराम सिसौदिया पिछले चुनाव में जगदीश देवड़ा के सामने हार का सामना कर चुके हैं। इधर एक नाम और निर्दलीय प्रत्याशी का सामने आया है, वह है श्यामलाल जोकचंद। जिन्हें दो बार जगदीश देवड़ा हरा चुके हैं। देवड़ा के रसूख वाली सीट में मल्हारगढ़ शामिल है। जहां से वह लगातार जीत रहे हैं। वहीं इस बार श्यामलाल और परशुराम सिसौदिया की दावेदारी में कांग्रेस ने परशुराम को मौका दिया। जिससे श्यामलाल नाराज होकर निर्दलीय मैदान में है। अब यहां श्यामलाल के रसूख की भी परीक्षा है।

बदले का अवसर...

सुवासरा सीट पर फिर से कांग्रेस ने राकेश पाटीदार पर भरोसा जताया है। हरदीप सिंह डंग यहां से दो बार कांग्रेस के टिकीट पर तो उसके बाद फिर से भाजपा के टिकीट पर जीते हैं। पिछले विस चुनाव में उन्होंने राकेश पाटीदार को हराया था। इस बार फिर से राकेश पाटीदार अपने पुराने प्रतिद्वंदी हरदीप सिंह डंग के सामने हैं। हार का बदला लेने का अवसर उनके पास है। वहीं हरदीप सिंह डंग के लिए यह सीट सम्मान का सवाल है।

इंडिया बने यशपाल सिंह...

मंदसौर सीट की बात करें तो भाजपा के यशपाल सिंह सिसौदिया तीन बार लगातार जीतकर इसी जगह से चौथी बार मैदान में उतरे हैं। इधर कांग्रेस के विपीन जैन का पहला विस चुनाव है। इसके पहले वह सिर्फ सरपंच के पद पर चुनाव जीते हैं। क्रिकेट के इंडिया बनाम बांग्लादेश में अनुभवी इंडिया पर दबाव ज्यादा होता है और वहीं बांग्लादेश पर तनाव। यहीं स्थिति यहां बन रही है। मतलब दबाव बनाम तनाव का मैच देखने को मिल रहा है।

प्रतिबंधित स्थल पर होगी पूर्व मुख्यमंत्री की सभा

रास्ता ब्लॉक करने से परेशान हुए मरीज और परिजन

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ की सभा गांधी चौराहा पर होगी। जबकि, धरना प्रदर्शन या सभा पर प्रतिबंध लगाकर अभिव्यक्ति स्थल महाराणा प्रताप चौराहा पर तैयार किया गया है। सभा तक ठीक है, लेकिन एक दिन पहले ही यहां टेंट और तंबू लगाकर रास्ता बंद कर दिया गया। यह व्यस्ततम मार्ग होकर बड़े अस्पताल जाने का रास्ता भी है। पीछे के रास्ते कई लोग जच्चा बच्चा वार्ड और बच्चो के एसएनसीयू वार्ड तक पहुंचते हैं। जहां एक दिन पहले बंद किए गए रास्ते के कारण आम लोगों और राहगिरों को परेशानी हुई। वहीं अस्पताल जाने वाले मरीज और परिजन भी परेशान होते रहे।

परेशानी और व्यथा के दो दृश्य...

यहां दो दृश्य ऐसे नजर आए, जिससे परेशानी और व्यथा साफतौर पर दिख रही थी। एक साल से कम उम्र का बच्चा अपनी मां के गोद में था। उसके बॉटल लगी हुई थी। बॉटल की नली पिता ने पकड़ राखी थी। अस्पताल जाने के लिए रास्ता बंद होने के कारण वह पैदल ही अस्पताल के लिए मुख्य द्वार की और जाते नजर आए। इधर एक चिकित्सक किसी गाड़ी के पास आया। यहां गाड़ी में बैठे एक मरीज का उपचार करता दिखाई दिया। इसके अलावा कई वाहन रास्ता बंद होने के कारण पलटकर गलत दिशा की तरफ मुड़े। जिससे बार बार यातायात प्रभावित होता रहा। इससे लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

प्रतिबंधित है धरना-सभा...

गांधी चौराहा पर धरना और सभा सहित प्रदर्शन प्रतिबंधित किए गए है। सभा, धरना, प्रदर्शन के लिये अब मंदसौर में महाराणा प्रताप बस स्टैंड के समीप के भूमि को अधिसूचित किया गया है। गांधी चौराहा पर प्रतिबंध का बोर्ड भी नपा ने लगाया है। पूर्व कलेक्टर एवं नगर पालिका प्रशासक गौतमसिंह द्वारा जारी किये गये आदेश में कहा गया है कि गांधी चौराहा के आसपास धरना प्रदर्शन आदि करना प्रतिबंधित रहेगा। धरना प्रदर्शन आदि के लिए महाराणा प्रताप चौराहा स्थित भूमि को अधिसूचित किया गया है। विभिन्न व्यक्तियों, संगठनों, राजनीतिक दलों आदि के द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में वर्तमान में नगर के गांधी चौराहा के पास मुख्य सडक़ पर धरना, प्रदर्शन, सभाएं आदि किए जाते रहे हैं। इसके कारण यातायात भी प्रभावित होता है। अभिव्यक्ति प्रदर्शन के आयोजनों के लिए उचित स्थान की आवश्यकता थी। नगरपालिका के स्वामित्व की भूमि सर्वे नम्बर 1054 महाराणा प्रताप चौराहा के पास स्थित है। इस भूमि पर अभिव्यक्ति स्थल बनाया गया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था के अधीन अहिंसात्मक धरना-प्रदर्शन, सभा आदि इस भूमि पर किए जा सकेंगे। अभिव्यक्ति स्थल के मूल स्वरूप में परिवर्तन का अधिकार नगरपालिका मन्दसौर के अतिरिक्त किसी अन्य को नहीं होगा। किसी आयोजन के लिए भूमि पर किसी भी प्रकार का कोई पक्का निर्माण पूरी तरह से वर्जित रहेगा।

गरोठ पुलिस ने पकड़ा तलवार बनाने का कारखाना, एक गिरफ्तार

एक फरार आरोपी की तलाश

गरोठ, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आदर्श आचार संहिता के मद्देनजर मतदान केन्द्र भ्रमण के दौरान निरीक्षक उदयसिंह अलावा को अवैध रुप से तलवार बनाने की सुचना प्राप्त होने पर थाना प्रभारी व टीम तत्काल कार्यवाही हेतु रवाना हुए। आरोपी घनश्याम पिता पन्नालाल सिकलीगर उम्र 50 साल निवासी ग्राम सुरजना थाना गरोठ को उसके खेत से गिरफ्तार कर वहां चल रहे कारखाने से मौके पर 35 नंगी बिना हत्थे वाली लोहे की धारदार तलवार तथा 27 निर्माणाधीन लोहे की तलवार, 15 नग पीतल की तलवार पर लगने वाला हत्था (मुठीया), 12 नग मुठीया के उपर लगने वाली पीतल की कटोरी, 06 नग पीले रंग के पीतल के म्यान के टुकड़े, चार नग हथोड़ी, दो नग छिनी, एक संडासी, एक भट्टी का पंखा चालु हालत में तथा लकड़ी की एक अर्धनिर्मीत म्यान जप्त किये गये। मौके से आरोपी सोनु पिता घनश्याम सिकलीगर फरार हो गया। जिसे पुलिस तलाश रही है। मामले में थाना गरोठ पर अपराध धारा 25 आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी:- 1. घनश्याम पिता पन्नालाल सिकलीगर उम्र 50 साल निवासी ग्राम सुरजना थाना गरोठ , फरार आरोपी :-1 सोनु पिता घनश्याम सिकलीगर निवासी ग्राम सुरजना थाना गरोठ। आरोपियो से 35 नंगी बिना हत्थे वाली लोहे की धारदार तलवार , 27 निर्माणाधीन लोहे की तलवार , 15 नग पीतल की तलवार पर लगने वाला हत्था (मुठीया), 12 नग मुठीया के उपर लगने वाली पीतल की कटोरी , 6 नग पीले रंग के पीतल के म्यान के टुकड़े , चार नग हथोड़ी , दो नग छिनी ,एक संडासी ,एक भट्टी का पंखा चालु हालत में तथा एक लकड़ी की अर्धनिर्मीत म्यान मिली।

खाद के लिए परेशान हो रहे धरतीपुत्र

सोसायटी के बाहर रात गुजार लाइन में लग रहे किसान

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण किसानों की रबी फसल को खासा नुकसान हुआ। अब खरीफ की फसल में खाद चिंता का विषय बन रही है। कई सोसायटियों पर खाद के लिए मशक्कत करना पड़ रही है। खाद किसानों को आसानी से उपलब्ध नहीं हो रही है। इसी का परिणाम है कि लोग रात सोसायटी के बाहर गुजार रहे हैं। किसानों की जगह लाईन में लगे कागजात बयां कर रहे हैं कि खाद को लेकर किसान किस तरह चिंतित नजर आ रहा है।

चुनाव से पहले प्रशासन ने खाद को लेकर बड़े बड़े दावे किए थे। कहा गया कि किसानों को इस बार आसानी से खाद उपलब्ध होगी। खाद भंडारण को लेकर आगे रहकर किसानों को आश्वस्त किया गया। अब यह दावे खोखले साबित हो रहे हैं। जिले में कई सोसायटियों पर किसानों को खाद के लिए मशक्कत करना पड़ रही है। सोसायटियों के बाहर किसानों की खाद के लिए मशक्कत सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। चुनाव के समय आने वाली यह तस्वीरें कहीं न कहीं सत्ताधारी दल पर असर डाल सकती है। सीतामऊ मार्केटिंग सोसायटी के बाहर किसान रात को बिस्तर लगाकर सोए। यहीं रात गुजारी। इसके बाद सुबह कागजात पर पत्थर रखकर अपना नंबर लगाया। यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसके अलावा बताया जाता है कि अन्य कई जगहों पर यही स्थिति बनी हुई है।

रोज चक्कर काटने से अच्छा रात यहीं गुजारे...

खाद लेने पहुचें किसान जुझारलाल ने बताया कि उनके 16 बीघा की पियत खेती है। वे पांच दिनों से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन खाद नही मिली तो रात में 9 बजे यहां आकर सो गए ताकि सुबह खाद मिल जाए। किसान ने कहा कि उन्हें 7 कट्टेखाद देने की बोला गया है लेकिन मुझे प्रति बीघा कम से कम 2 कट्टे तो चाहिए। किसान कालू सिंह ने बताया कि हम चार पांच दिनों से चक्कर काट रहे हैं। जिम्मेदार बोलते है कि एक बीघा पर दो ही कट्टे देंगे। सोसाइटी में जाओ तो बोलते हैं डिफाल्टर हो, अब हमें समय से खाद नहीं मिलेगा तो फसल में नुकसान होगा।

जनप्रतिनिधि चुनाव प्रचार में व्यस्त...

पहले खाद की किल्लत या किसानों की परेशानी के लिए कांग्रेस या भाजपा के नेता आ जाते थे। प्रशासनिक अधिकारी भी हरकत में आते देखे जा सकते थे। लेकिन, वर्तमान में दोनों दल चुनाव प्रचार में लगे हैं। इधर आचार संहिता का पालन करवाने और चुनाव को लेकर अधिकारी भी व्यस्त है। ऐसे में किसानों की समस्या पर ध्यान देने वाला कोई नहीं है।

अब स्मार्टफोन से वोट डालने की कर सकेंगे प्री- बुकिंग

तय समय पर मतदान केंद्र पहुंच कर डाल सकेंगे वोट

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। संपति की रजिस्ट्री की भांति अब मतदान के लिए भी स्लेट बुक कर सकेंगे। दरअसल निर्वाचन आयोग की ओर से पहली बार शहरी मतदाताओं को जागरूक करने, वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने और लंबी लाइनों से निजात दिलाने के लिए क्यूलेस एप तैयार करवाया गया है। जिसका ड्राई रन भी पूरा हो चुका है। जिसमें मतदाताओं को दिनभर में 30 मिनट के कुल 14 स्लॉट मिलेंगे। और उस स्लॉट में आप अपनी बुकिंग कर मतदान केंद्र जा सकते हैं। जहां सिर्फ आपको बुकिंग नंबर बताना होगा। बता दें 30 मिनट के एक स्लॉट में सिर्फ 20 लोग ही मतदान करने की बुकिंग कर सकेंगे।

पीक आवर में नहीं हो सकेगी बुकिंग...

दरअसल क्यू लेस एप को पीक आवर यानी सुबह और शाम के समय बंद रखा जाएगा। जिसमें सुबह 7 बजे से लेकर 9 बजे तक और शाम को 4 बजे के बाद इसे बंद रखा जाएगा। क्योंकि, इस वक्त मतदाताओं की संख्या ज्यादा होती है। इसलिए ऐसे वक्त में क्यू लेस एप असक्रिय रहेगा।

परीक्षण हो चुका है पूरा...

क्यूलेस एप का परीक्षण कर लिया गया है। इसके उपयोग को लेकर समय निर्धारित है। जिसमें 14 स्लॉट उपलब्ध रहेंगे। जो लोग समय लेकर मतदान करने आना चाहते हैं। वो इसका उपयोग कर सकते हैं।

अनुपम राजन, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मप्र

साढ़े चार माह बाद कल से शनि चलेंगे सीधी चाल

ढैय्या साढ़े साती से मिल सकेगी राहत

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। न्याय के देवता शनिदेव कुंभ राशि में रहते हुए कल 4 नवंबर को मार्गी होंगे। यानि वे सीधी चाल चलेंगे। वे 18 जून से इसी राशि में रहते हुए वक्री चल रहे थे, जो साढे चार माह बाद अपनी चाल बदल रहे हैं। ज्यतिषियों का कहना है कि अधिकांश राशियों के लोगों के रुके काम पूरे होने की प्रबल संभावना रहेगी। शनिदेव एक राशि में ढाई साल रहते हैं। कुंभ राशि में उनका प्रवेश 30 साल बाद 17 जनवरी को हुआ था। कुंभ उनके स्वामित्व वाली राशि है। राशि बदलाव से शनि की ढय्या और साढे साती के जातकों को राहत मिलेगी। कष्ट निवारण के उपाय में वृद्धजनों व रोगियों की सेवा करें, जरूरतमंदों को भोजन व वस्त्र वितरण करें। शनिवार को शनिदेव को तिल, तेल चढ़ाएं और शनि मंत्रों का जाप करें। पीपल के समक्ष दीपक जलाएं। शनिदेव 29 मार्च 2025 तक कुंभ राशि में रहेंगे। इसके बाद वे 23 फरवरी 2028 तक मीन राशि में रहते हुए वक्री व मार्गी होंगे।

शं श्नैश्चाराय नम: मंत्र जाप से अच्छा फल मिलेगा...

ज्योतिषाचार्य पंडित चैतन्य भट्ट के अनुसार आगामी 4 नवंबर को शनि रात 10:16 बजे मार्गी होंगे। कुंभ शनि की मूल त्रिकोण राशि है। अभी मकर, कुंभ व मिन राशि के लोगों पर शनि की साढे साती और कर्क, वृश्चिक राशि के लोगों पर शनि की ढैय्या चल रही है। इन्हें राहत मिलेगी। शं श्रैश्चाराय नम: मंत्र जाप से अच्छा फल मिलेगा।

मंदसौर में 31, नीमच में 23 उम्मीदवारों ने ठोका खम

मल्हारगढ़, जावद में होगा देखने लायक मुकाबला

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन मंदसौर, नीमच जिले के प्रत्याशियों की स्थिति क्लीयर हो गई है। अब मंदसौर जिले की चार विस में 31 उम्मीदवार मैदान में होंगे। जबकि, नीमच जिले में 23 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे है। इसमें कांग्रेस, भाजपा सहित अन्य दलों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी कहीं कहीं शामिल है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि मल्हारगढ़ से श्यामलाल जोकचंद ने आखिरकार फार्म नहीं उठाया। अंतिम दिन मोबाईल बंद कर दिया। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए नेटवर्क प्रॉब्लम की बात कहकर दो समर्थकों के नंबर बात करने के लिए डाल दिए। इधर जावद में बीजेपी के बागी पूरण अहीर ने अपने नाम नहीं उठाया है।

गुरुवार को नामांकन उठाने के आखिरी दिन तगड़ा राजनीतिक उठापटक वाला माहौल रहा। रुठों को मनाने और नुकसान देने वालों को सेट करने के लिए प्रत्याशी और दल के नेता लगे रहे। मंदसौर में कुल 39 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। जिसमें दो का नामांकन निरस्त हो गया था। इसके बाद 37 मैदान में थे। अंतिम दिन छह ने अपना फार्म उठाया। इस तरह से मैदान में 31 प्रत्याशी बचे हैं। गरोठ, मंदसौर और सुवासरा विस में कांग्रेस भाजपा में सीधी टक्कर मानी जा रही है। लेकिन मल्हारगढ़ में चतुष्कोणीय मुकाबला होना तय है। आखिरी दिन कांग्रेस के बागी श्यामलाल जोकचंद ने अपना फार्म नहीं उठाया तो नीमच में कांग्रेस से बगावत कर रहे राजकुमार अहीर ने अपना नामांकन उठा लिया। जिससे अब वहां बीजेपी के बागी के होने से इस बार त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है।

मीनाक्षी नटराजन के मंदसौर पहुंचने के बाद श्यामलाल जोकचंद को मनाने का प्रयास किए जाने की संभावना जताई जा रही थी। लेकिन, अंतिम दिन श्यामलाल जोकचंद मल्हारगढ़ से ही बाहर चले गए। इसके साथ ही उन्होंने अपना... शेष पेज 4 पर

नीमच में पार्टियों को राहत, जावद, मनासा और नीमच में बागी माने

नीमच, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में गुरुवार को कई लोगों ने नामांकन पत्र वापस लिया। कई दिनों से दोनों ही दलों के बागियों ने पार्टी के उम्मीदवारों को परेशान कर रखा था। ऐसे में आज मनासा में भाजपा के बागी तेवर अपना रहे पूर्व विधायक विजेंद्रसिंह मालाहेड़ा ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। विजेंद्र सिंह मालाहेड़ा पूर्व में कांग्रेस में थे और ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ भाजपा में आए थे। बताया जा रहा है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के फोन लगाकर समझाने पर उन्होंने नामांकन पत्र वापस लिया है।

उधर जावद विधानसभा क्षेत्र से भी कांग्रेस के नेता राजकुमार अहीर ने भी अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। राजकुमार दोपहर करीब 2:30 बजे जिला कांग्रेस प्रभारी नूरी खान अपने कुछ समर्थकों के साथ रिटर्निंग ऑफिसर कार्यालय पर पहुंचे और नामांकन पत्र वापस लिया। नीमच में भी भाजपा की विचारधारा से जुड़े शैलेश जोशी ने अपना नामांकन पत्र वापस लिया है। उनके नामांकन वापस लेने से नीमच में भाजपा को हो रही परेशानी में कुछ राहत मिलेगी।

जावद में नहीं माने पूरणमल...

बागी तेवर अपना रहे नेताओं के नाम वापस लेने के बाद कुछ उम्मीदवारों को राहत मिली है। जहां जावद में कांग्रेस तो मनासा और नीमच में भाजपा की बगिया से होने वाली मुश्किल काम हो गई। हालांकि जावद में भाजपा की कुछ मुश्किल अभी भी है, वहां भाजपा के पूरणमल अहीर के नामांकन पत्र वापस नहीं लेने से भाजपा को कुछ कठिनाई हो सकती है। इससे अब जावद के चुनाव मैदान में त्रिकोणी मुकाबला देखने को मिल सकता है।

विचार-मंथन

मराठा आंदोलन को लेकर राजनीति गर्म

महाराष्ट्र में मराठा आंदोलन हिंसक हो उठा है। तीन विधायकों के घरों और दफ्तरों में तोड़-फोड़ और आगजनी की गई। एक नगर पालिका परिषद के दफ्तर को भी आग के हवाले कर दिया गया। कई बसें जला दी गई और रास्ते रोक दिए गए। अब इसे लेकर राजनीति भी गरम हो उठी है। बताया जा रहा है कि कुछ सांसदों और विधायकों ने इस्तीफा दे दिया है। कुछ नेता सभी सांसदों से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। हालांकि राज्य सरकार किसी तरह इस आंदोलन को शांत करने के प्रयास में जुटी है। उसने मराठा समुदाय के लोगों को कुनबी समुदाय का प्रमाणपत्र देने की पहल की है, मगर यह आंदोलन फिलहाल रुकता नहीं जान पड़ता। कुनबी समुदाय पिछड़ी जाति के अंतर्गत आता है। इस तरह मराठा समुदाय को कुनबी का प्रमाणपत्र मिलने से वे भी अन्य पिछड़ी जाति को तय उन्नीस फीसद आरक्षण में हिस्सेदार बन जाएंगे। इसलिए महाराष्ट्र के अन्य पिछड़ा वर्ग का संगठन सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहा है। यानी सरकार के सामने इस मामले में मुश्किलें दोहरी है। वहां कोई भी राजनीतिक दल न तो मराठा को नाराज करना चाहता है और न ओबीसी को अपने से दूर। दरअसल, महाराष्ट्र ही नहीं, देश के अनेक राज्यों में आरक्षण की आग राजनीतिक दलों ने ही सुलगा रखी है। जब वे विपक्ष में होते हैं, तो किसी प्रभावशाली समुदाय को आरक्षण का लोभ देकर अपने सत्ता तक पहुंचने का रास्ता तैयार करते है और फिर सत्ता में आने के बाद उस वादे को पूरा करना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय मूलतः खेतिहर समुदाय है और आर्थिक रूप से बहुत कमजोर स्थिति में है। काफी समय से वह नौकरियों और शिक्षा में अन्य पिछड़ी जातियों की तरह आरक्षण की मांग करता रहा है। पांच साल पहले राज्य सरकार ने उसे सोलह फीसद आरक्षण देने का फैसला भी कर लिया था। बांबे उच्च न्यायालय ने भी उसमें कुछ कटौती करते हुए उसे विशेष प्रावधान के तहत लागू करने की इजाजत दे दी थी। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने पचास फीसद की संवैधानिक सीमारेखा का हवाला देते हुए उस पर रोक लगा दी थी। ताजा मामले में मनोज जेरांगे-पाटिल नाम के एक व्यक्ति ने यह मांग उठाते हुए भूख हड़ताल शुरू कर दी कि मराठा समुदाय को कुनबी समुदाय माना जाए। उनके समर्थन में लोग जुटते गए। सरकार ने इसके लिए एक समिति बना दी और एक महीने के भीतर फैसला करने का आश्वासन दिया। मगर वह समय सीमा पार हो गई तो फिर से आंदोलन शुरू हो गया और अब हिंसक हो उठा है। नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग जिस तरह एक राजनीतिक हथियार बन गई है, उसमें हमेशा आशंका बनी रहती है कि कब कहां कोई नया समुदाय ऐसी मांग लेकर आंदोलन पर उतर आए। हरियाणा में जाट, गुजरात में पटेल और राजस्थान में गुर्जर समुदाय ऐसे आरक्षण की मांग लेकर अनेक बार सरकारों पर दबाव बनाने का प्रयास कर चुके हैं। हालांकि हर राजनीतिक दल को पता है कि आरक्षण को लेकर कुछ संवैधानिक बाध्यताएं हैं, फिर भी वे अपने जनाधार का समीकरण साधने के मकसद से इसे हवा देते रहते हैं। महाराष्ट्र में भी मराठा समुदाय ऐसे ही आश्वासनों पर उम्मीद लगाए बैठा था। हालांकि महाराष्ट्र की राजनीति में मराठा समुदाय का प्रभाव अधिक है, मगर आरक्षण के मसले पर कोई व्यावहारिक रास्ता नहीं निकाला जा सका। अब मुश्किल यह है कि मौजूदा सरकार कैसे ओबीसी और मराठा दोनों को संतुष्ट करे।

प्रजा जब आज्ञाकारी तो चुनावी चंदे का हिसाब क्यों?

शकील अख्तर

केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि जनता को यह जानने का हक नहीं है कि राजनीतिक दलों मतलब भाजपा को मिलने वाला चंदा कहां से आ रहा है, कौन दे रहा है! इतना ही नहीं केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी चेतावनी दी है कि वह नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं करे। अर्थात इलेक्टोरल बांड के नियम आदि बनाने या समझने की कोशिश नहीं करे। अब प्रगति का अर्थ भी बदल दिया गया है। बताया जाता है कि मोदी जी आप पर जो शासन कर रहे हैं वह आपका सौभाग्य है। हर हर मोदी का नारा लगा ही था। हम भारत के लोग संविधान की प्रस्तावना में लिखा यह शब्द ऐसे ही रहेगामगर हकीकत है जो लोगों का अर्थ नागरिक नहीं बल्कि मानों प्रजा है। भला आज जो भक्त है वह प्रजा जैसे ही व्यवहार करते हुए है। सोचने समझने से महरूम। केवल जय जयकार करने वाली, जयकारा लगाने वाली और आज्ञाकारी। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि जनता को यह जानने का हकनहीं है कि राजनीतिक दलों मतलब भाजपा को मिलने वाला चंदा कहां से आ रहाहै, कौन दे रहा है! इतना ही नहीं केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी चेतावनी दी है कि वह नीतिगत मामलों मेंहस्तक्षेप नहीं करे। अर्थात इलेक्टोरल बांड के नियम आदि बनाने या समझने कीकोशिश नहीं करे। इसे आप तानाशाही भी कह सकते हैं। जनता को और आसान शब्दों में समझाने केलिए जिसकी लाठी उसकी भैंस भी कह सकते हैं और जो हम कह रहे हैं कि

आजाद भारत के अधिकार प्राप्त नागरिको को वापिस राजा की आज्ञाकारी प्रजा बनाने की मुहिम भी कह सकते हैं। कॉलम को लिखने के आज के दिन इन्दिरा गांधी की पुण्य तिथि भी है। तो उनके शब्द याद आ गए। वे हमेशा कहती थीं ये दक्षिणपंथी, प्रतिक्रियावादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी ताकतें। शायद कांग्रेस के कुछ पुराने लोगों को याद हो। वैसे संभावना तो कम ही है क्योंकि कांग्रेसी अपने मतलब के अलावाऔर कुछ याद नहीं रखते हैं। मगर उन्हें उनके मतलब पूरे करने के लिएइन्दिरा गांधी ने सबसे लंबे समय तक सत्ता सुख दिया। मगर फिर भी वे कभी संतुष्टनहीं हुए और जहां मौका मिला, सत्ता की संभावना दिखी वहां भागे। इन्दिरा गांधी के बाद राजीव गांधी को गिराने वाला कोई और नहीं खुद कांग्रेसी ही थे। भाजपा और दूसरे लोग तो बाद में राजीव गांधी के खिलाफ आए। उन पर पहला झूठा आरोप तो उनके नजदीक रहे विश्वनाथ प्रताप सिंह ने ही लगाया। किसी कोर्ट मेंकहीं भी बोफोर्स साबित नहीं हुआ। वीपी सिंह को भी बाद में सोनिया से माफी मांगनी पड़ी। मगर उससे क्या? राजीव गांधी की जान तो जा चुकी थी! एक बहादुर नेता जिसने देश को इक्कीसवीं सदी में प्रवेश कराया वक्त से आगे सोच रखने वाला विश्वासघात से मारा गया। अगर वे प्रधानमंत्री होते एसपीजी होती तो क्या उनकी हत्या की साजिश सफल हो पाती? मगर अब इन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं है। लेकिन एक सबक है कि कांग्रेस को अपने अंदर के विश्वासघातियों से बच कर रहना चाहिए। बाहर की ताकतें उसे कभी नहीं हरापाई। मगर अंदर के विभिषणों ने उसे हमेशा मारा है। थोड़ा विषयांतर हो रहा है। मगर यह समझने के लिए जरूरी है कि हम भारत केलोगों को नागरिक से आज्ञाकारी प्रजा बनाने में कांग्रेसियों का भी अप्रत्यक्ष योगदान है। कांग्रेस की कमजोरियों से ही भाजपा मजबूत हुई है। नहीं तो 1984 के चुनाव में वह केवल 2 सीटो पर सिमट गई थी। लेकिन दो साल बाद ही जब वीपी सिंह ने विश्वासघात किया तो उसके दिन बहुर गए। 1989 के चुनाव के बाद वह बाहर से सरकार चला रही थी। और प्रधानमंत्री वीपी सिंह गांधी जी की तरह बाल बनवाकर उनकी भाव भंगिमाओं की नकल करके फोटो बनवा रहे थे। उस समय की सबसे ज्यादा लोकप्रिय पत्रिका धर्मयुग में मुख पृष्ठ से लेकर अंदर तक विभिन्न मुद्राओं में अपने फोटो छपवा रहे थे। भाजपा के लिए वे उस समय केअन्ना हजारे थे। बाद में असली अन्ना हजारे भी आ गए। सन् 2004 में सोनिया गांधी जिसमेहनत और प्रतिबद्धता से कांग्रेस को सत्ता में लाई थीं उसका सहस्त्रांश भी कांग्रेसियों ने नहीं समझा। नेता सत्ता में आने के बाद खाने-कमाने में जुट गए। सत्ता सोनिया के हाथ में नहीं थी उनके पास केवल विचार था। वे पार्टी अध्यक्ष थीं। यूपीए अध्यक्षा भी। मगर महान कांग्रेसियों ने सरकार चलाने का ठेका खुद ही ले लियाथा। लेकिन जैसा कहा कि सोनिया गांधी के पास वह जवाबदेही की भावना थी कि मैं जनता से वादा करके आई हूं। उसे पूरा करना मेरी जिम्मेदारी है। और जानतेतो बहुत लोग है मगर जिन्हें याद है वे सबके सामने नहीं तो खुद अपने जमीरके सामने तो स्वीकार करेंगे कि सोनिया के किसान कर्ज माफी, मनरेगा,आरटीआई, महिला आरक्षण का कांग्रेसियों ने ही कितना विरोध किया था। वरिष्ठ मंत्रियों से लेकर संगठन के बड़े नेताओं तक ने। मगर सोनिया की एक बात मानना पड़ेगी कि उनकी देश की जनता के लिए जो प्रतिबद्धता थी उसके सामने वे किसी को नहीं मानती थीं। उन्होंने धीरज से लगातार लगे रहकर सारे जनहितकारी कानून पास करवाए। सख्ती करना उनके स्वभाव में नहीं था। उसकालोगों ने मतलब कांग्रेसियों ने खूब फायदा उठाया। 2009 तो कांग्रेस किसान कर्ज माफी और मनरेगा की वजह से जीत गई। मगर नेताऔर अहंकारी और स्वार्थी हो गए। अब वह बात बताते है जहां से शुरू किया था कि अब सरकार सुप्रीम कोर्ट सेक ह रही है कि चंदा कहां से आ रहा है इससे आपको और जनता को मतलब नहीं होना चाहिए। और यूपीए के समय की सच्ची घटना आपको बताते हैं कि संगठन के एकबड़े नेता एक बड़े मंत्री के पास पार्टी के काम के लिए कुछ पैसा मांगनेगए। मंत्री जी एकदम गुस्से में आ गए। अंग्रेजी में चिल्लाए एम आई अथीफ थीफ! बेचारे नेता जी भागे। यह हाल था तब। सरकार पर से सोनिया गांधी का नियंत्रण कम होने लगा था। हर नेता यह सोचता था कि2009 की जीत उसी की वजह से है। प्रणव मुखर्जी राष्ट्रपति बन गए। उसी समय2012 में इसे भाजपा ने अपनी जीत माना था। अरुण जेटली ने हमसे कहा था नानसोनिआइट राष्ट्रपति बनना मतलब हमारा ही बनना है। और बाद में नागपुर संघ मुख्यालय जाकर प्रणव मुखर्जी ने इसे सही साबित भी किया। सरकार और पार्टीकमजोर होने लगी। और 2014 में ढह गई। तो अपने ही अहंकार और स्वार्थों से हारी कांग्रेस ने भाजपा को यह मौकादिया कि वह जनता के लिए स्थान सीमित करती जाए।

केरल में धमाकों को हल्के में नहीं लेना चाहिए

-राजेश माहेश्वरी

दक्षिण भारत के सुंदर राज्य केरल में विभिन्न समूहों के बीच हिंसा का इतिहास रहा है। इन समूहों में धर्म और राजनीति का खतरनाक मिश्रण भी रहा है। हालांकि प्रभाव इसराईल-हमास युद्ध का भी रहा होगा, क्योंकि केरल ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में भी मुस्लिम संगठन फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं। हमास को ही फिलिस्तीन के तौर पर पेश किया जा रहा है, लिहाजा आंकड़े और तथ्य गलत हैं। केरल में हाल ही में जो फिलिस्तीन समर्थक रैली का आयोजन किया गया था, उसे हमास के संस्थापक नेता खालिद मशेल ने भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया था। जिस समय केरल में धमाके हुए, उस वक्त राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन दिल्ली में धरना दे रहे थे। यह धरना कम्युनिस्ट पार्टी ने गाजा पर इसराईल के हमले के विरोध में आयोजित किया था। धमाकों के बाद भी विजयन धरने में ही मौजूद रहे। हालांकि उन्होंने धमाकों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि धमाके के बाद के हालात को लेकर उन्होंने राज्य के डी.जी.पी. से बात की है। असल में केरल में पिछले कुछ दिनों से फिलिस्तीन के समर्थन में मुस्लिम संगठन लगातार रैलियां कर रहे हैं। दो दिन पहले एर्नाकुलम में हमास के समर्थन में भी एक रैली हुई थी। 27 अक्तूबर को भी मलप्पुरम में फिलिस्तीन के सपोर्ट में हुई एक रैली में हमास नेता खालिद मशेल वर्चुअली शामिल हुआ था। देश में यह कैसे हो सकता है कि आतंकी समूह का सरगना रैली को संबोधित करे और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण तक न मांगा जाए? केरल में 27 फीसदी मुसलमान और 18 फीसदी ईसाई हैं। दोनों ही समुदाय वाममोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाले मोर्चे के साथ सत्ता और सियासत में ताकतवर मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अब इन धमाकों की गहन जांच से निष्कर्ष सामने आएंगे कि इसराईल-हमास युद्ध से प्रभावित कट्टरवाद कितना जिम्मेदार है? धमाकों के लिए आई.ई.डी. का इस्तेमाल किया गया, उसे कहां से हासिल किया गया? विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? हालांकि एक शख्स ने धमाकों की जिम्मेदारी ली है। डोमिनिक मॉर्टिन नाम के इस व्यक्ति ने केरल पुलिस को बताया है कि वह 16 साल से 'यहोवा विटनैस समुदाय' का सदस्य रहा है, जो क्रिश्चियंस का एक अल्पसंख्यक समुदाय है। इसकी स्थापना पिट्सबर्ग (अमरीका) में 1872 में हुई थी। यहोवा विटनैसेस को मानने वाले होली ट्रिनिटी पर विश्वास नहीं करते। ये लोग जीसस को ईश्वर का बेटा मानते हैं, न कि खुद ईश्वर। ये लोग जीसस की शिक्षाओं और उनके उदाहरणों को ही आदर्श मानते हैं। इस समुदाय में कोई केंद्रीय नेतृत्व नहीं है और ये दुनियाभर में फैले हुए हैं। डोमिनिक मॉर्टिन को करीब 6 साल पहले एहसास हुआ कि यह अच्छा संगठन नहीं है और इसकी शिक्षाएं 'देशद्रोही' हैं। हालांकि यहोवा समुदाय ने इस शख्स की सदस्यता से इंकार किया है, लेकिन 'देशद्रोही' शब्द में कट्टरवाद और साजिश के मायने निहित हैं। चिंता का विषय यह भी है कि केरल जैसे राज्य के लाखों लोग खाड़ी देशों में कार्यरत हैं, जिनमें ईसाई और मुस्लिम भी बड़ी संख्या में हैं। इनके जरिए विदेशों में बैठी भारत विरोधी ताकतें देश की आंतरिक सुरक्षा को खतरे में डालने का षड्यंत्र रचें तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि केरल ईसाई मिशनरियों के साथ ही मुस्लिम संगठनों का मजबूत गढ़ बन चुका है, जिनको विदेशी आर्थिक सहायता मिलने की बात भी जगजाहिर है। केरल में वामपंथी विचारधारा लंबे समय से हावी रही है। दुनिया की पहली निर्वाचित कम्युनिस्ट सरकार केरल में ही अस्तित्व में आई थी। हालांकि कांग्रेस के नेतृत्व वाला मोर्चा भी सत्ता में आता-जाता रहा, किंतु उसका मुस्लिम लीग के साथ गठबंधन होने से वह हिंदूवादी शक्तियों को दबाता रहा है। हालांकि बीते कुछ दशकों से इस राज्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रभाव क्षेत्र गांव-गांव तक फैलने से राजनीति त्रिकोणीय होने लगी है। केरल की वर्तमान वामपंथी सरकार के शासनकाल में राजनीतिक विरोधियों की इतनी हत्याएं हुईं।

क्रिकेट के मैदान में सियासी गुगली मुनासिब नहीं

आईसीसी क्रिकेट विश्व कप में ऐसी कई घटनाएं घट रही हैं, जो खेल भावना के खिलाफ है। कभी किसी खिलाड़ी को चिढ़ाने के लिए धार्मिक नारे लगाए जाते हैं, तो कभी टीम की जीत को गाजा में बसे फलस्तीनियों को समर्पित किया जाता है, तो कभी 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैसे पुरस्कार पाकिस्तान से निकाले गए अफगानियों के नाम कर दिया जाता है। कुछ लोग इसे नफरत की संज्ञा दे रहे हैं, तो कुछ की नजर में यह राजनीति है। इन शब्दावलियों में न भी उलझें, तब भी इससे शायद ही किसी को आपत्ति होगी कि ऐसी बातें क्रिकेट की गरिमा को चोट पहुंचाती है और नकारात्मक माहौल बनाती हैं। मैदान में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ अपने देश के लिए खेलता है। यह कोई जंग या चुनाव का मैदान नहीं कि किसी राजनीतिक विचारधारा को आगे बढ़ाने के प्रयास किए जाएं। यह तो बस खेल का मैदान होता है, जिसमें जीतने के लिए खिलाड़ी आक्रामक खेल का सहारा जरूर लेते हैं, पर यह कहलाता 'जेंटलमैन गेम' ही है। फिर किसी टीम के लिए हर दिन एक समान नहीं होता। वह कभी हारती भी है, तो कभी जीतती है। इसमें छोटी से छोटी टीम भी धुरंधर खिलाड़ियों से सजी मजबूत टीम को पटखनी देने में सफल होती है। ऐसे में, यह देखकर अचरज ही होता है कि खेल की गरिमा को दरकिनार कर अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर फिजूल की हरकतें होने लगी है। अगर अभिव्यक्ति का प्रदर्शन इतना ही जरूरी है, तो खिलाड़ी ऐसे कृत्य अपने देश में कर सकते हैं, हालांकि तब भी इसका समर्थन नहीं किया जा सकता। अच्छे क्रिकेटर समाज के लिए आदर्श माने जाते हैं, इसलिए वे देश-दुनिया को लेकर क्या सोचते हैं, उसे वे मैदान से इतर प्रदर्शित करें, तो ज्यादा बेहतर होगा। एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि जब किसी टीम ने अपनी जीत ग्राउंडस्टाफ मैन को समर्पित की, तब उसका विरोध नहीं किया गया था? मेरा मानना है कि इंसानियत का हमें ख्याल रखना चाहिए। ग्राउंडस्टाफ मैन को अपनी जीत भेंट करना व्यक्तिगत मसला होता है, लेकिन किसी राजनीतिक आंदोलन की तरफदारी करना सियासी मसला। इन दोनों का फर्क हमें समझना होगा। मैं पुराने स्कूल का क्रिकेटर हूं, मैंने भी विश्व कप खेला है। हमें जो क्रिकेट के संस्कार मिले हैं, वे इस तरह की गतिविधियों की इजाजत नहीं देते। अभिव्यक्ति की ऐसी कथित आजादी हमने अपने जमाने में नहीं देखी है, जबकि उस दौर में भी कई तरह के राजनीतिक मसलों से विश्व जूझ रहा था। तब भी देशों के बीच हितों के टकराव थे। स्पष्ट है, खेल के मैदान में राजनीति नहीं हो, इसको आईसीसी को सुनिश्चित करना चाहिए। निस्संदेह, क्रिकेटर भी इंसान हैं, उनकी भी भावनाएं घटनाओं से प्रभावित होती हैं, उनकी भी अपनी वैचारिकी है, मगर किसी खिलाड़ी को ऐसे कृत्यों पर प्रदर्शन करना ही है, तो उसके लिए मैदान के अलावा दूसरे मंच हैं, जहां वे ऐसा कर सकते हैं। आप अपनी भावना का प्रदर्शन खेल से करें। वह कहीं ज्यादा लोगों को अपील कर सकती है। इसके लिए क्रिकेट खिलाड़ी को मैदान में न तो सजदा करने की जरूरत है, न ही जुबानी जमा-खर्च। फिजुल के जुबानी तीर कितने घातक हो सकते हैं, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष जका अशरफ को इसका बखूबी एहसास होगा। उन्होंने विश्व कप की शुरुआत में भारत के खिलाफ आपत्तिजनक बातें कहीं, पर उनके लिए स्थिति इतनी बिगड़ गई कि उनका खुद अपने देश में ही जमकर विरोध हुआ। उनको एहसास हो गया होगा कि जुबान के तीर वापस नहीं लिए जा सकते, इसलिए बहुत सोच-समझकर बोले जाने चाहिए। आपके व्यक्तिगत विचार कुछ भी हों, लेकिन जब आप किसी जिम्मेदार ओहदे पर बैठते हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5043

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5042

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 5043

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ में अपना पहला भाषण दिया (6)
7. सुगंध, खुशबू, महक (3)
8. नितांत, बिल्कुल (4)
10. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
11. नतीजा, परिणाम (2)
12. मेष, भेड़ा (3)
14. अत्यधिक पुंडा, कपूमन, धोखा (3)
15. नौका, आदेश पत्र (3)
17. लाकर उपस्थित करना, ले आना (2)
18. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
19. नेत्र, आंख, नयन (2)
20. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो एक तोला का बारहवां हिस्सा होती है (2)
22. मुग्ध होना, प्रसन्न होना (3)
25. सहानुभूति करने वाला, दुख-दर्द का साथी (4)

ऊपर से नीचे
1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. बाधा, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
3. किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्वहानि (5)
4. काबिल, योग्य (3)
5. भाग्य (अंग्रेजी)(2)
6. आसानी, सहजता, सुगमता (4)
9. संपूर्ण यात्रा का वृतांत (5)
13. आम का एक प्रकार (4)
14. नेक, शिष्ट, कल्याणकारी (2)
16. संगीत में ताल के अनुसार शरीर के अंगों को संचालित करना, नृत्य करना (3)
21. पेला, शिष्य, जॉय मुखर्जी, सायरा बानो, आई.एस.जौहर आदि की भूमिकाओं वाली सफल फिल्म (3)
23. तुरंत, जल्दी में (2)
24. आकाश, गगन, नभ, आसमान (2)

वर्ग पहेली 5042 का हल

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

स्वामी भागवतानंदजी महाराज का मनाया महानिर्वाण महोत्सव

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री चैतन्य आश्रम मेनपुरिया में 2 नवम्बर 2023 कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी को भगवान पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के संस्थापक अधिष्ठाता ब्रह्मलीन श्री प्रत्यक्षानंदजी महाराज के प्रमुख शिष्य ब्रह्मलीन पूज्य स्वामी भागवतानन्दज महाराज का दशम निर्वाण (10वीं पुण्यतिथि) महोत्सव पूज्य स्वामी श्री मणि महेशचैतन्यजी महाराज एवं पूज्य स्वामी श्री मोहनानन्दजी महाराज के सानिध्य में मनाया गया। प्रारंभ में स्वामी भागवतानंदजी के समाधि मंदिर में उनके श्री विग्रह का पूजन अभिषेक आरती की गई । श्री पशुपतिनाथ संस्कृत पाठशाला तथा नयाखेड़ा गुरुकूल आश्रम के बटूकों द्वारा सरस्वती वाचन के साथ पं. श्री विष्णु शर्मा धारियाखेड़ी, पुजारी दिनेश शर्मा द्वारा पूजन विधि सम्पन्न कराई गई।स्वागत उद्बोधन एवं संचालन ट्रस्टी बंशीलाल टांक ने दिया व आभार लोकन्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा ने माना।

कार्यक्रम के समापन के पश्चात् आश्रम में फलदार पौधे श्रीफल (नारियल) आम, जामुन तथा औषधीय पौधे पीपल, हरसिंगार, गूलर, अपराजिता आदि का रोपण किया गया। स्वामी श्री मणि महेशचैतन्यजी महाराज ने सनातन से भारत जो विश्व गुरु पद पर सुशोभित रहा है उसमें प्रमुख अहं भूमिका रही है संतों की। सत्ता भी तभी सम्मानित और सुरक्षित रही जब वह संतों के के आश्रय में रही है। भगवान राम के रामराज्य का उदाहरण इसीलिये दिया जाता है कि भगवान राम गुरु वशिष्ठ की आज्ञा पाकर उनके निर्देश आज्ञानुसार सत्ता का संचालन करते थे। आपने कहा भारत का यह सौभाग्य है कि भारत पुन: उसी परम्परा पर लौट रहा है जब सत्ता संतों के मार्गदर्शन में उनकी आज्ञानुसार संचालित हो जिससे प्रजा में परस्पर प्रेम, स्नेह, सौहार्द स्थापित रहकर प्रजा को शारीरिक-मानसिक किसी भी प्रकार का कष्टनहीं हो। आपने कहा कि वर्तमान में ग्रह-परिस्थितियां सभी अनुकूल है और यही कारण है कि जहां संपूर्ण विश्व युद्ध और आतंकवाद की लपटों में झूलस रहा है वहीं भारत का अध्यात्मकवाद इन लपटों को शांत करने अध्यात्म की शीतल बुंदों का छिड़काव कर उसे बुझाने, शांत करने का भरसक प्रयास कर रहा है। विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित व स्थापित करने में भारत का सनातन मूल मंत्र वसुधैव कुटुम्बकम का रहा है। जिसके लिये आपने वर्तमान योग ऋषि स्वामी रामदेवजी, गौरख सम्प्रदाय के गुरु आदित्यनाथजी, साध्वी उमा भारतीजी आदि संतों का उदाहरण दिया।

विद्याध्ययन नौकरी के लिये नहीं विद्वान प्रज्ञावान बनने के लिये होना चाहिये– स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों-छात्रों से जब पूछा जाये कि वे पढ़कर क्या बनना चाहते हैं ? उत्तर मिलता है कोई डॉक्टर, कोई इंजीनियर, कोई कलेक्टर, कोई एस.पी. आदि बनना चाहता है अर्थात नौकरी करना चाहता है परन्तु यह जब तक भावना में, मन में नौकरी की लालसा है तब तक वह नौकर ही बनकर रहेगा मालिक नहीं बन सकता और समाज में मालिक जिस सम्मान के साथ जीता है वह आनन्द शांति सुख नौकर नहीं पा सकता। इसलिये पढ़ने का उद्देश्य नौकरी नहीं विद्वान बनना होना चाहिये।स्वामी भागवतानंदजी से बचपन में दर्शन करने के बाद स्वामी का स्नेह, स्वामीजी के प्रेरणास्पद आर्शीवचन को स्मरण करते स्वामी मणी महेश चैतन्यजी ने कहा कि स्वामी प्रत्यक्षदेव के ब्रह्मलीन होने के पश्चात् स्वामी भागवतानंदजी ने स्वामी प्रत्यक्षानंदजी के प्रमुख शिष्य होने का दायित्व का पूर्ण निष्ठा जवाबदारी और समर्पण के साथ निर्वाह करते हुए स्वामी भागवतानंदजी ने मंदसौर-मालवा म.प्र. ही नहीं राजस्थान, गुजरात आदि दुरूस्थ स्थानों में जाकर भगवान पशुपतिनाथजी की महिमा को दूर-दूर तक प्रचारित प्रसारित किया। भागवत कथा प्रवचनों के माध्यम धर्म जागरण किया। श्री चैतन्य आश्रम लोक न्यास अध्यक्ष प्रहलाद काबरा, ट्रस्टीगण ब्रजेश जोशी, बंशीलाल टांक, प्रद्युम्न शर्मा, शिवनारायण शर्मा, महेश शर्मा, राजेश शर्मा, हेमन्त शर्मा, हेमन्त परमार, गोवर्धन, बगदीराम अमलेश्वर, सरपंच परमानन्द मीणा अमलेश्वर, विष्णु बसेरा, गोपाल नाथुखेड़ी, अम्बालाल नागदा भालोट सहित श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

जनता के द्वार-द्वार पहुंच भाजपा प्रत्याशी सिसौदिया ने किया जनसम्पर्क

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर । केन्द्र में नरेन्द्र मोदी और मध्यप्रदेश में शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में भाजपा की सरकार ने शहरों से लेकर गांव तक में खूब विकास के काम किऐ हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई का रकबा बडाया और सिंचाई के लिए पर्याप्त इंतजाम किए है। मंदसौर विधानसभा के कई गांवों में स्टॉपडेम और तालाब बनाऐ गऐ है जिससे आज किसान आसानी से अपनी फसलों के लिए पानी ले जा पा रहे है। इसमें हरचंदी डेम प्रमुख है जिसने क्षेत्र के किसानों की तकदीर को बदल दिया है। सिंचाई के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है। विकास के लिए भाजपा सदैव कृत संकल्पित है, विकास किया है और लगातार विकास के काम करेंगी।

यह बात मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के दलोदा मंडल के दलोदा सगरा, रिछा लालमुंहा, चांदखेडी, बेहपूर, हरचंदी, खेरोदा, बालोदिया, खाखरीखेडा, अजनोटी, नांदवेल में जनता के द्वार-द्वार पहुंचकर जनसम्पर्क किया। श्री सिसोदिया ने कहा कि हरचंदी सालिड वियर, निम्बौद तालाब, भालोट तालाब, चौसला तालाब, ढिकोला सॉलिड वियर, नंदावता तालाब , पाडलिया लालमुंहा तालाब, माऊखेडी सालिड वियर समेत कई श्रृंखलाबद्ध तालाब और स्टॉपडेम है जिसके कारण आज पूरे क्षेत्र की फसलें लहलहा रहीं है।

भाजपा प्रत्याशी का आज का दौरा– मंदसौर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी और विधायक यशपालसिंह सिसोदिया आज 3 नवम्बर शुक्रवार को मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के फतेहगढ प्रात: 8.30 बजे, नई फतेहगढ प्रात: 9.30 बजे, दोपहर 1 बजे कृषि उपज मंडी दलोदा, सायं 4 बजे धंधोडा, 5 बजे पालसोडा, 6 बजे माऊखेडी, 6.30 बजे भावगढ पहुँचकर जनसम्पर्क करेंगे।

कांग्रेस प्रत्याशी जैन ने किया कृषि उपज मंडी में जनसंपर्क

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस का हाथ किसानों के साथ की तर्ज पर मंदसौर विधानसभा कांग्रेस पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी श्री विपिन जैन ने मंदसौर कृषि उपज मंडी में जनसंपर्क किया। इस दौरान श्री जैन ने पुरी कृषि उपज मंडी में किसान भाइयों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं जानी। किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान हितेषी श्री कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनते ही किसानों को समय पर खाद बीज उचित दाम पर मिलने लगेंगे, काला बाजारी पर रोक लगेगी। कृषि उपज मंडी क्षेत्र में जनसंपर्क के

दौरान श्री जैन के साथ पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह तोमर, मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दसोरा, जिला कांग्रेस के पदाधिकारी निर्मल बसेर, वहीद जेदि, कमलेश सोनी (लाला),व्यापारी प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष निर्विकार रातडिया, व्यापारी प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष दशरथ जैन,गजेंद्र धाकड, गणपत मांडेला, अभिषेक जैन, प्रणय धाकड, विपिन बंसल, नितिन बंसल , आदि कई लोग आपके साथ जनसंपर्क के दौरान रहे। यह जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड दी।

जैन का दौरा कार्यक्रम– मंदसौर विधानसभा के कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार श्री विपिन जैन 03 नवंबर 2023 शुक्रवार को दोपहर के समय मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों में जनसंपर्क करेंगे । दौरा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने बताया कि गांधी चौराहा पर आयोजित पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ की आम सभा में प्रात: 10 बजे सहभागिता करने के पश्चात श्री जैन शाम के समय गांव लालघाटी शाम 5:30 बजे , भुनियाखेड़ी शाम 6 बजे , मुल्तानपुरा (सभा) शाम 6:30 बजे इन ग्रामों में पहुंचकर मतदाताओं का आशीर्वाद लेकर जनसंपर्क करेंगे। श्री जैन के साथ पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह गुर्जर, मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दसोरा, कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम कुमावत व कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठनेता व पदाधिकारी साथ रहेंगे ।

सोजतिया को ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क के दौरान मिल रहा समर्थन

भानपुरा, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष कुमार सोजतिया अपने स्वाभाविक, सरल, सहत अंदाज में क्षेत्र के मतदाताओं एवं ग्रामीणों के बीच पहुंचकर जनसंपर्क कर रहे हैं। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र में महिला पुरुष व बुजुर्ग श्री सोजतिया से पूरी आत्मिता के साथ मिलकर स्वागत कर रहे हैं एवं ग्रामीण जनो ने श्री सोजतिया को विजय बनाने का संकल्प लें रहें हैं। गुरुवार 2 नवंबर को श्री सोजतिया ने भानपुरा तहसील क्षेत्र के ग्राम रातागुराडिया से जनसंपर्क प्रारंभ कर ग्राम मिड्नखेडी, हरनावदा, सातलखेडी, रेहडी, खजूरना, खजूरना का खेड़ा, खेरखेडी, रामनगर, पंगा चैकी, पंगा का खेड़ा, पांगा, नयागांव, धनकपुरा में ग्रामीणजनो के सैलाब के बीच में जनसंपर्क किया। श्री सोजतिया ने विभिन्न ग्रामों में जनसंपर्क के दौरान सभाओं को संबोधित करते हुए कहा पुरे प्रदेश में कांग्रेस की लहर है। कमलनाथ के वचन पत्र के अनुसार प्रदेश में 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया है। इस अवसर पर बडी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे।

माइक्रो आब्जर्वर एवं मतदान कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन सम्पन्न

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए माइक्रो आब्जर्वर एवं मतदान कर्मियों का द्वितीय रेंडमाइजेशन एनआईसी कक्ष में मंदसौर एवं मल्हारगढ के सामान्य प्रेक्षक श्री ऋत्वेद मिलिंद ठाकुर, सुवासरा एवं गरोठ के सामान्य प्रेक्षक श्री अशोक वामन काकडे, कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव की मौजूदगी में किया गया। द्वितीय रेंडमाइजेशन से विधानसभा वार माइक्रो आब्जर्वर एवं मतदान कर्मी आवंटित किए गए। अंतिम एवं तीसरा रेंडमाइजेशन 16 नवंबर को होगा। जिसमें माइक्रो आब्जर्वर एवं मतदान कर्मियों को मतदान केंद्र आवंटित कर दिए जाएंगे। जहां पर जाकर वे सुगम, सरल एवं सहज मतदान करवाएंगे।

आब्जर्वर जावले द्वारा मनासा में क्रिटीकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

मनासा, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के जनरल आब्जर्वर श्री किशन नारायण राव जावले ने गुरूवार को मनासा में क्रिटीकल मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर मतदाताओं से चर्चा कर, उन्हें निर्भिक होकर मतदान करने की समझाईश दी। प्रेक्षक श्री जावले ने गुरूवार को मनासा के मतदान केन्द्र क्रं.61 शिवपुरी धर्मशाला पूर्बिया मोहल्ला मनासा एवं मतदान केन्द्र क्रं.62 सामुदायिक भवन पूर्बिया मोहल्ला मनासा का निरीक्षण किया। उन्होने पूर्बिया मोहल्ले में मतदाता राकेश व बाबूलाल के परिवारजनों से चर्चा कर, उनसे विधानसभा निर्वाचन 2023 में निर्भिक होकर मतदान करने की समझाईश दी।

सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़ी सोने की मांग, त्यौहारी सीजन में अच्छी बिक्री का अनुमान

इंदौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। समाप्त हुई ताजा तिमाही (सितंबर) में सोने की मांग में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस तिमाही में सोने की मांग 210 टन पर पहुंच गई है, जो बीते वर्ष इसी अवधि में 192 टन थी। सोने की इस मांग के बढ़ने के पीछे निवेश के लिए पीली धातु के प्रति बढ़ा आकर्षण है, जबकि इस वर्ष इस तिमाही के बाद भारत में प्रमुख त्योहारी बिक्री सीजन आ रहा है।

देश में गहनों की मांग भी जुलाई से सितंबर की इस अवधि में सात प्रतिशत बढ़कर 156 टन पर पहुंच गई है। निवेश के उद्देश्य से बिकने वाले सोने में 20 प्रतिशत का इजाफा होकर कुल मांग 54 टन दर्ज हुई है। जो बीते वर्ष इस अवधि में 45 टन थी। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने दो दिन पहले रिपोर्ट जारी करते हुए इन आंकड़ों को सार्वजनिक किया है। सोने का आयात 20 प्रतिशत बढ़कर 220 टन हो गया है।

दीवाली पर खरीद में ओर तेजी आने की उम्मीद– बीते वर्ष यह 184 टन था, जबकि सोने की रिसायकलिंग का आंकड़ा भी इस तिमाही में बढ़कर बीते वर्ष के 16 टन के मुकाबले 19 टन हो गया है। सितंबर तिमाही में सोने के दाम जून तिमाही के मुकाबले करीब एक हजार रुपये प्रति दस ग्राम घटना भी खपत बढ़ने का कारण माना जा रही है।

राशि के मामले में देखे तो सोने की मांग 28 प्रतिशत बढ़कर 1.88 लाख करोड़ पर पहुंच गई है जो बीते वर्ष 1.47 लाख करोड़ रुपये रही थी। इजरायल संघर्ष के कारण भी सोने के प्रति मांग बढ़ी है। तमाम केंद्रीय बैंकों ने भी इस अवधि में सोने की खरीद बढ़ा दी है। काउंसिल के नतीजों के आधार पर इस वर्ष सोने की मांग में अच्छी बढ़त देखने को मिल रही है। क्योंकि भारत में उपभोक्ता सोना खरीद का खास सीजन अब शुरू हुआ है। दीवाली पर खरीद में ओर तेजी आने की उम्मीद है। दरअसल बीते दिनों से सोने के भाव में तेजी देखी जा रही है। सराफा बाजार एसोसिएशन के मंत्री अविनाश शास्त्री के अनुसार जब धातु के दाम बढ़ने लगते हैं तो लोगों में असुरक्षा फैलती है कि वे और बढ़ने से पहले खरीद ले। आगे उन्हें अच्छा रिटर्न मिलेगा। त्योहारी मौसम भी है ऐसे में अब उपभोक्ताओं की गहनों में खरीद तेज होती दिख रही है।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

गरोठ, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार को दशहरा मैदान गरोठ पर शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एवं खेल और युवा कल्याण विभाग के सहयोग से ब्लॉक स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत गरोठ सीईओ श्री धर्मेंद्र यादव, नगर पंचायत गरोठ सीएमओ श्री वीरेंद्र मेहता , विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री भगवान सिंह चौहान एवं संकुल शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरोठ के प्राचार्य श्री देवेंद्र सिसोदिया उपस्थित थे । खेल और युवा कल्याण विभाग से श्री मयूर सिंह राठौड एवं शिक्षा विभाग से श्री राजेश नाडिया तथा शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के सभी खेल शिक्षकों ने सभी अतिथियों का स्वागत फूल माला पहनाकर किया । अपने उद्बोधन में श्री धर्मेंद्र यादव सीईओ जनपद पंचायत गरोठ ने खेलों से शारीरिक और मानसिक रूप से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी साथ ही श्री वीरेंद्र जी मेहता सीएमओ गरोठ ने भी खेलों के एवं पढाई के महत्व को समझाया

इसी के साथ सीईओ ने स्वीप प्लान के तहत मतदाता जागरूकता के लिए उपस्थित लगभग 350 विद्यार्थियों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई एवं उनसे अनुरोध किया कि सभी अपने घर ,परिवार और पडोस में रहने वाले सभी लोगों को मतदान का महत्व समझाएं एवं 17 नवंबर 2023 को सभी को मतदान के लिए अवश्य भेजें। इस अवसर पर खेल शिक्षकों के रूप में शासकीय विद्यालय से श्री ऋडजोगचंद, श्री सुरेश जी जजावरा, श्री रंगलाल लोहिया ,श्री सैयद असगर अली, श्री मोहनलाल जी जडूलिया, श्री जितेंद्र जी शर्मा ,श्री किशोर जी डांगी ,श्री प्रवीण सिंह जी चंद्रावत, श्री कैलाश मंडलोई शिक्षिकाएं हेमा जांगडे एवं संगीता परमार और अशासकीय विद्यालय से खेल शिक्षक के रूप में श्री नारायण सिंह जी ,दिनेश जी मीणा, गोविंद जी मीणा ,पवन जी धाकड ,तरुण जी लोहार ,हर्षित जी तिवारी ,प्रतीक जी व्यास ,रॉबिन सर, सुरेश जी धनगर एवं विनोद सर उपस्थित थे। यह जानकारी ब्लॉक समन्वयक मयूर सिंह जी राठौड एवं राजेश जी नाडिया द्वारा दी गई

कमलनाथ की सभा के लिये कांग्रेस अजा विभाग ने दिया आमंत्रण

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आज मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कमलनाथ एक दिवसीय प्रवास के दौरान मंदसौर में सुबह 10 बजे गांधी चौराहे पर जनसभा को संबोधित करेंगें । उनके आगमन पर स्वागत एवं सभा में भागीदारी करने के आव्हान के साथ जिला कांग्रेस अजा विभाग के नेतृत्व में मंदसौर नगर अजा विभाग द्वारा जनसंपर्क किया गया। जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी, जिला कांग्रेस अजा विभाग अध्यक्ष श्री संदीप सलोद, जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं जिला कांग्रेस सांस्कृतिक विभाग के अध्यक्ष श्री कमलेश जैन, अजा विभाग शहर अध्यक्ष श्री मनोहर रत्नावत ने वार्ड क्रमांक 36,35 एवं 4 सहित विभिन्न आरक्षित वार्डो में भ्रमण कर श्री कमलनाथ की सभा में आने हेतु आमंत्रण दिया।

जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी ने कहा कि श्री कमलनाथजी के नेतृत्व में प्रदेश में सत्ता परिवर्तन तय है। हमारा दायित्व है कि हम मंदसौर विधानसभा से भी कांग्रेस उम्मीदवार श्री विपिन जैन को अधिक से अधिक मतो से जीतावे। जिला कांग्रेस अजा विभाग अध्यक्ष श्री संदीप सलोद ने कहा कि लगातार आरक्षित वर्ग पर भाजपा की सरकार में अत्याचार बडे है। धर्म के नाम पर वोट लेने वाली भाजपा ने कभी भी आरक्षित वर्ग के साथ न्याय नही किया है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस महामंत्री एवं जिला कांग्रेस सांस्कृतिक विभाग के अध्यक्ष श्री कमलेश जैन, अजा विभाग शहर अध्यक्ष श्री मनोहर रत्नावत ने भी आमजन को श्री कमलनाथ की सभा में आने हेतु आमंत्रित किया। इस अवसर पर बडी संख्या में स्थानीय रहवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वृहद मतदाता जागरूकता वाहन रैली आयोजित

कलेक्टर एवं एसपी वाहन रैली में हुए शामिल, मतदाताओं को दिया मतदान का न्यौता

नीमच, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी, एडीएम सुश्री नेहा मीना एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री गुरुप्रसाद की उपस्थिति में गुरुवार को बस स्टैंड नीमच से विशाल मतदाता जागरूकता वाहन रैली आयोजित की गई। यह वाहन रैली बस स्टैंड से प्रारंभ होकर फवारा चौक, विजय टॉकीज, चौक्कन्ना बालाजी, रेलवे स्टेशन, सीआरपीएफ चौराहा, लायंस पार्क, एलआईसी चौराहा, मेसी शोरूम, विश्राम गृह होते हुए कलेक्टर कार्यालय नीमच पर पहुच कर सम्पन्न, हुई।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने रैली के दौरान जगह-जगह उपस्थित मतदाताओं को जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से मतदान दिवस 17 नवम्बर 2023 को अपने बूथ पर जाकर मतदान करने का न्यौता पत्र भी भेंट किया। कलेक्टर श्री जैन, एसपी श्री अमित कुमार तोलानी, एडीएम सुश्री नेहा मीना एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरुप्रसाद उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने बताया, कि शहरी क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत कम रहता है, शहरी क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढाने के लिए और लोगों को जागरूक कर, बूथ पर जाकर, मतदान करने हेतु प्रेरित करने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी के तहत यह विशाल वाहन रैली का आयोजित की गई है। इस रैली में सभी प्रकार के वाहन शामिल है जो शहर में करीब 10 किलोमीटर का सफर तयकर मतदाताओं को जागरूक कर रहे है और आगामी 17 नवंबर को अधिक से अधिक मतदान करने के लिए आमजनों को प्रेरित कर रहे है।

महिलाओं में मतदान को लेकर उत्साह, महिला मतदाता मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेगी

नाहरगढ़, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महिला मतदाताओं में खासे उत्साह है। वे मतदान में भी बढ-चढकर भाग लेगी। महिला मतदाता इस चुनाव की तस्वीर बदल सकती है। वे महिला सशक्तिकरण ओर क्षेत्र विकास लेकर मतदान का बटन दबाएंगी। हालांकि महंगाई ने उन्हें परेशान कर रखा है। उसके पश्चात भी महिला 17 नवम्बर को महिलाएं मतदान में बढ-चढकर हिस्सा लेंगी।

इनका कहना

मतदान में हिस्सा लूंगी। मतदान को लेकर उत्साह है। 17 नवम्बर का इंतजार कर रही हूं। जो विकास करेंगे और महिला के आत्मसम्मान को लेकर खडे रहेंगे, उन्हीं को अपना वोट दूंगी। अभी वक्त है। अपना वोट सोच-समझ कर देंगे। हां, मतदान के समय स्वच्छ छवि का ख्याल रखेंगे। विशेषकर सनातन धर्म लेकर मतदान करूंगी,

सरोज सोनी निवासी नाहरगढ

मतदान हर किसी को करना चाहिए। एक वोट से विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर बदल सकती है। जो विकास करेंगे, जनता की सुख- दुख में साथ रहेंगे उन्हें अपना वोट दूंगी। हां, बढती महंगाई भी मुद्दा है। क्षेत्र जिसने विकास किया उसको वोट करूंगी,

कमला बाई, निवासी नाहरगढ

मतदान का समय धीरे-धीरे निकट आ रहा है। मतदान में भाग लूंगी। स्वभाविक रूप से उत्साह है। जो क्षेत्र का विकास किया। महिला सशक्तिकरण की बात करेंगे, उन्हें अपना वोट दूंगी। शैक्षणिक विकास भी होना चाहिए। किसानों लिए जिसने अच्छा काम किया

उसको वोट दूंगी,

श्रीमती प्रेमलता राठौर निवासी नाहरगढ

अपने स्वजनों के संग तथा मोहल्ले वासियो साथ मतदान करने जाउंगी। पढे-लिखे और योग्य उम्मीदवार को वोट करूंगी। जिसने देश तथा किसानों का सोचा है। ओर क्षेत्र विकास किया, उनको वोट करूंगी..।

अर्चना मांदलिया, नाहरगढ,

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	256	1941	2210
उडद	40	7600	10451
सोयाबीन	7500	4750	4900
गैहु	3200	1901	3212
चना	384	5190	5860
मसुर	367	5008	6040
धनिया	400	6000	7100
लहसुन	14000	6400	17500
मैथी	700	5651	6700
अलसी	1760	4400	5061
सरसो	375	4940	5321
तारामीरा	1	4000	4856
इसबगोल	43	7245	18200
प्याज	5000	1401	4100
कलोंजी	30	10001	16301
डॉलर	24	11000	15102
तिल्ली	6	11900	16340
मटरसुखी	43	2000	3200
असालीया	4	9652	10900

सदाबहार शोले पर नेताओं का मन डोले

(सरयू सुत मिश्रा)

भोपाल, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। एमपी के चुनाव में सदाबहार फिल्म शोले का राजनीतिक एडिशन बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हो गया है। कांग्रेस की ओर से जय और वीरू की जोडी की कहानी के साथ शुरू फिल्म में गब्बर सिंह, सूरमा भोपाली, बसंती और राधा की भी एंट्री हो गई है। सलीम जावेद की पटकथा पर फिल्म बनाने वाले जीपी सिप्पी ने भी कभी नहीं सोचा होगा कि 50 साल बाद उनकी फिल्म का राजनीतिकरण इतनी सफलता के साथ हो सकेगा।

शोले के सभी कैरेक्टर एमपी के चुनाव में तैर रहे हैं। फिल्म के डायलॉग और फिल्मी कैरेक्टर के सहारे एक दूसरे पर बयानों की गोलियां दागी जा रही हैं। बीजेपी जय-वीरू के चोरी और अपराध के कैरेक्टर पर कांग्रेस को घेर रही है तो कांग्रेस फिल्म की जान गब्बर सिंह का कैरेक्टर भाजपा की शान शिवराज पर चस्पा कर रही है। सोशल मीडिया पर चुनावी नजरिये से शोले फिल्म के कैरेक्टर्स के एनीमेटेड वीडियो आ रहे हैं। चुनावी चौपालों पर फिल्म के चर्चित डायलॉग उछाले जा रहे हैं। सबसे बडी चुनावी कॉमेडी यह हो रही है कि 50 साल पहले लिखी गई फिल्म की कहानी-डायलॉग और दृश्य आज की राजनीति पर फिट होते जा रहे हैं। राजनीति और पैसा एक दूसरे के पूरक हैं। शोले में भी पैसे के लिए ही काम करने की कहानी है। शोले में ठाकुर का सुपरहिट डायलॉग है अपनी बहादुरी पर अगर इतना ही घमंड है तो एक काम करोगे मेरे लिए? कीमत जो तुम चाहो लेकिन काम वह जो मैं चाहूं इसके जवाब में जय-वीरू का डायलॉग ठाकुर साहब हम सिर्फ पैसों के लिए काम करते हैं । राजनीति और शोले फिल्म के यह दोनों डायलॉग जब जनता एक साथ महसूस करती है तब बोल ही नहीं पाती है। लोगों को ऐसा लगता है कि शायद यह डायलॉग आज की राजनीति के लिए ही लिखे गए थे।

गब्बर सिंह का कैरेक्टर ना होता तो शोले फिल्म इतनी पॉपुलर ना होती है। गब्बर का कैरेक्टर डाकू का है, अत्याचारी का है, लोगों के शोषण का है, स्त्रियों की मर्यादा को खंडित करने का है, चोरी-डाका और गरीबों को उजाडने का है। अपने नेताओं को तो कांग्रेस ने दोस्ताना के नाम पर जय-वीरू बना दिया। लेकिन, भाजपा के स्टार केम्पेनर को गब्बर सिंह बता दिया। शिवराज जैसा दुबला-पतला गब्बर तो कभी सोचा भी नहीं जा सकता। राजनीति में चुनावी बयान और भाषण के लिए डायलॉग आम बात हो गए हैं। लेकिन, अगर यह डायलॉग हकीकत से मेल नहीं खाते हैं तो राजनीतिक नुकसान भी बहुत गहरा करते हैं। बीजेपी के कैप्टन के रूप में शिवराज सिंह चौहान के आने के बाद कांग्रेस की टीम पूरी कोशिश करने के बाद भी मुकाबला नहीं कर पाई है। 2008 और 2013 में भी इसी तरीके के निजी आक्षेप उन पर लगाए गए थे। 2008 के चुनाव में तो उन्हें डंपर सिंह चौहान कहकर उनके चेहरे को भ्रष्टबताने की पुरजोर कोशिश की गई थी लेकिन जनता ने इसी डंपर से कांग्रेस के सपनों को रौंद दिया था। 2013 में शवराज सिंह तक कहा गया। चुनाव परिणामों ने उनका जवाब दिया। घोषणावीर, कलाकार, नाटकबाज और घोषणामशीन के कांग्रेस के आक्षेप भी शिवराज के समर्थन को कम करने में सफल नहीं हुए।

जिस नेता पर जनता इतने वर्षों से भरोसा व्यक्त कर रही है, आम चुनाव और उपचुनाव इस भरोसे को साबित करते रहे हैं उस नेता की गब्बर सिंह के कैरेक्टर से तुलना कर कांग्रेस ने बडी राजनीतिक भूल कर दी है। जो नेता लाडली लक्ष्मी का मामा होने का धर्म निभा रहा है, लाडली बहनों का भाई होने का सामाजिक रिश्ता जिसकी राजनीति का आधार हो, उसकी स्त्रियों की मर्यादा खंडित करने वाले गब्बर के कैरेक्टर से तुलना करना लाडली बहनें कभी बर्दाश्त नहीं करेंगी। वैसे भी लाडली बहना योजना बीजेपी के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है। उसमें शिवराज पर गब्बर सिंह का आरोप कोढ में खाज साबित हो सकता है। कांग्रेस द्वारा रिलीज की गई राजनीतिक फिल्म शोले चुनावी तारीख तक सफलता के नए रिकॉर्ड कायम कर सकती है। फिल्म का राजनीतिक संस्करण झूठ फरेब की राजनीति का प्रतिबिंब बन जाएगा। राजनीति में पैसे के दुरुपयोग की कहानी इस फिल्म में पैसे के लिए काम करने की कहानी से जन भावनाओं को जोड देगी। चुनाव को डांस ऑफ डेमोक्रेसी भी कहा जाता है। इसमें नेता नाचने की मुद्राओं में मतदाताओं को रिझाने और लोगों को जोड़ने की पुरजोर कोशिश करते हैं। गब्बर सिंह फिल्मी कैरेक्टर बसंती को कहता है जब तक तेरे पैर चलेंगे उसकी सांस चलेगी।। तेरे पैर रुके तो यह बंदूक चलेगी बहुत याराना लगता है । जनता ऐसे डायलोगों पर चुनाव में तालियाँ बजा रही है। सत्ता के बसंत के लिए ना मालूम कितनी बसंती जनता के सामने नृत्य कर रही हैं। शोले फिल्म के जय-वीरू-बसंती और राधा के कैरेक्टर निभाने वाले अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी और जया भादुडी संयोग से राजनीति से जुडे हुए हैं। यह चारों सांसद रहे हैं। हेमा मालिनी और जयाभादुडी तो अभी भी सांसद हैं। शोले के जय वीरू अमिताभ और धर्मेन्द्र राजनीति में आये तो जरुर लेकिन जल्द ही उनका इससे मोहभंग हो गया। यह सभी महानायक सक्रिय फिल्मी जगत से दूर हो गए हैं। शोले फिल्म के सबसे पॉपुलर कैरेक्टर गब्बर सिंह का रोल अमजद खान ने निभाया था वह अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन यह फिल्म उनकी मौजूदगी का एहसास कराती है।

एमपी चुनाव में कांग्रेस द्वारा रिलीज राजनीतिक फिल्म शोले का ही कैरेक्टर चुनाव में जीतेगा। अभी तो यह शुरुआत है जैसे-जैसे चुनाव प्रचार बढेगा, राजनीतिक शोले की गर्माहट बढती जाएगी। बयानों के गोले और शोले फिल्म के डायलॉग सियासत के डायलॉग बनते दिखाई पडेंगे। हर चुनाव की तरह एमपी के चुनाव में भी विकास के मूलभूत मुद्दे शोले फिल्म की चकाचौंध में खोते चले जाएंगे। शायद राजनीति भी यही चाहती है कि मूल मुद्दों पर बात ना हो और ऐसे ही फिल्मी अंदाज में जनादेश उनकी झोली में टपक जाए। फिल्म रिलीज होने के पहले उनके प्रोमो आ जाते हैं। राजनीति का प्रोमो तो जनता का रोज का विषय बन गया है। राजनीति के शोले, फिल्म के कैरेक्टर भले ही मध्यप्रदेश में पहली बार उछाले जा रहे हों लेकिन पब्लिक से कुछ भी छुपता नहीं है।

शासकीय स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी

पिपलियामंडी, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासन के निर्देशानुसार स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदान जागरूकता गतिविधि करवाई गई। उक्त गतिविधि में नगर के शासकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। उक्त प्रस्तुति नगर के मुख्य मार्ग व स्थान कृषि उपज मंडी, सब्जी मंडी, गांधी चौराहा व नगर के चौपाटी पर दी गई। उक्त गतिविधि मे विद्यालय प्राचार्य श्री उमा शंकर पांडे, स्वीप प्रभारी व मार्गदर्शक श्रीमती विनीता मेहता, विद्यालय स्टाफ व मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री प्रमोद जैन निकाय उपयंत्री श्री राजेश उपाध्याय नगर परिषद मतदान जागरूकता टीम श्री जगदीश प्रजापत, आदिल खान, दिनेश चौहान, सुनील साहू, शुभम बैरागी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्री रघुनंदन श्रीमाल हिंदी सीमा घटिया श्रीमती निशा पाटीदार श्री मोहनलाल परमार श्री महेंद्र राठौर श्री राकेश शर्मा का कार्य सहरानीय रहा।

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक क्यू मंदसौर, दिनांक 30.10.2023

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एबी 2253 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में रामेश्वर प्रजापत पिता नंदरामजी निवासी लसूड़ावन, तहसील व जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी एवं उनकी पत्नी की मृत्यु हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनके पुत्र श्यामसुंदर पिता रामेश्वरजी प्रजापत निवासी लसूड़ावन, तहसील व जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

मोटे अनाज की मिठाइयां और चाकलेट से बाजार पटा

बाजरे की मिठाइयां और कार्न के लड्डू खूब भा रहे लोगों को

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर के निवासियों का इस दीपावली स्वाद कुछ अलग ही होगा। क्योंकि, इस बार परंपरागत मिठाइयों और चाकलेट्स के अलावा मिलेट्स यानी मोटे अनाज की मिठाइयां, कुकीज और बिस्कुट बाजार में हैं। बाजरे की मिठाइयां और कार्न के लड्डूलोगों को खूब भा रहे हैं। कई बडी फूड कंपनियों के आउटलेट्स पर मिलेट्स के स्पेशल फूड भी बिक रहे हैं।

पारंपरिक मिठाई भी उपलब्ध...

दुकानदार त्योहारी सीजन में रागी, फॉक्स टेल बाजरा और अन्य प्रकार के मोटे अनाजों का उपयोग पारंपरिक मिठाइयों और नमकीन बनाने में कर रहे है। बाजरा-आधारित नमकीन के साथ ही इस बार दीपावली में गेहूं का हलवा, पंधारी लड्डू, कंबु कारा सेव और रागी पकौड़ा जैसे पारंपरिक पसंदीदा व्यंजनों की डिमांड बढी है।

मिठाई के साथ स्वास्थ्य भी...

विक्रेताओं का कहना है कि अब धारणा बदल रही है। नयापन नहीं होगा तो बिक्री भी नहीं होगी। साथ ही लोगों की यह धारणा भी बदलनी है कि स्वास्थ स्वादिष्टनहीं है। या फिर सेहत बनाए रखना है तो स्वाद से समझौता करना होगा। यानी मिठाइयों से परहेज करना होगा। लोग अब सेहत के साथ स्वाद भी यादगार रखना चाहते हैं।

शुगर रोगियों का खास ख्याल...

मधुमेह और हृदय रोगियों के लिए परंपरागत मिठाइयों से हटकर इस बार रागी, मक्का और ज्वार-बाजरे की रेसिपी और इनसे बनी मिठाइयां बाजार में हैं। इन मिठाइयों में मैदा, पनीर की जगह मूंगफली और तिल जैसी चीजों का इस्तेमाल हो रहा है। लोग सफेद चीनी के इस्तेमाल से बच रहे हैं। इसलिए गुड़, पाम गुड़ या ब्राउन शक्कर का उपयोग हो रहा है। बादाम, केसर पाक, काजू बर्फी, सोन पापड़ी आदि में भी रागी व फ्लैक्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। बाजरा, नट्स और बीजों का उपयोग करके शाकाहारी प्रोटीन युक्त मिठाइयां बन रही हैं।

कुकीज भी उपलब्ध...

ग्राहको के अनुरोध पर ज्वार, बाजरा की कुकीज भी उपलब्ध हैं। बाजरा कोको बर्फी और फॉक्सटेल लड्डूकी तो काफी मांग है। क्योंकि इसमें ग्लूटेन नहीं है। बाजरा काजू कुकीज़, बाजरा चुकंदर, परिष्कृत चीनी-मुक्त लड्डूबॉक्स, रागी लड्डू, सूखे फल और मेवे के लड्डूमें भी ग्लूटेन फ्री बन रहे हैं। इस तरह की मिठाइयां सभी आयु समूहों के बीच लोकप्रिय हो रही हैं।

यह है स्वास्थ्य के लाभकारी...

- रागी - यह कैल्शियम, प्रोटीन और अमीनो एसिड से भरपूर है। चावल का विकल्प।
- ज्वार- प्रोटीन, आयरन, फाइबर से भरपूर। खराब कोलेस्ट्रॉल को दूर रखने में मददगार। गेहूं की रोटी का विकल्प।
- बाजरा- ग्लूटेन-मुक्त अनाज। वजन घटाने, रक्त शर्करा नियंत्रित करने, पेट और हृदय रोगियों के लिए कारगर। बाल, नाखून और त्वचा भी स्वस्थ रखता है।

जावद नप अध्यक्ष के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज

सामुदायिक भवन में ट्रैक सूट रखने का मामला, नप सीएमओ जिला पंचायत अटैच

नीमच, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव के दौरान जावद नगर के सरकारी सामुदायिक भवन में बड़ी मात्रा में ट्रैक सूट मिले, जिन्हें प्रशासन ने जब्त कर लिया था। पडताल के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष के ट्रैक सूट रखने की बात सामने आई थी, जिस पर प्रशासन ने नगर परिषद जावद के सीएमओ जगजीवन शर्मा को हटाकर फिलहाल जिला पंचायत में अटैच किया है। वहीं भाजपा नेता नगर परिषद अध्यक्ष सोहन माली के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

बता दें कि 2 दिन पहले प्रशासन को शिकायत मिली थी कि जावद नगर परिषद अधिकार क्षेत्र में आने वाले सामुदायिक भवन में बड़ी मात्रा में ट्रैक सूट रखे हुए है, जिन्हें चुनाव में बंटवाया जाएगा। शिकायत पर जांच करने पर पाया गया कि नगर परिषद के शासकीय सामुदायिक भवन से करीब 67 कार्टून में 400 से अधिक ट्रैक सूट दीपावली पर बांटने के लिए लाकर रख रखे थे। शिकायत के बाद एफएसटी ने सामुदायिक भवन से ट्रैक सूट जप्त किए थे। जांच के बाद नगर परिषद अध्यक्ष भाजपा नेता सोहन माली के खिलाफ धारा 188 के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं नगर परिषद सीएमओ जगजीवन शर्मा को भी नोटिस जारी किया गया था। ट्रैक सूट के संबंध में पडताल करने पर ट्रैक सूट नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा रखवाना पाया गया। वही प्रभारी अधिकारी शहरी विकास अभिकरण ने सीएमओ शर्मा को जावद नगर परिषद से हटा दिया और जिला पंचायत नीमच में अटैच कर दिया है।

शिकायत पर की कार्रवाई–मामले में एसडीएम राजकुमार हलदर ने बताया कि शासकीय संपत्ति की जगह में ट्रैक सूट रखे गए थे। जिस पर एफएसटी ने कार्रवाई करते हुए धारा 188 के तहत एफआईआर दर्ज कराई है, मोरवन में पोस्टर लगाने के मामले में भी कार्रवाई की गई है।

देवड़ा आज कई गांवों में जनसम्पर्क करेंगें

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी जगदीश देवडा आज दिनांक-03 नवम्बर शुक्रवार को पिपल्यामंडी मण्डल के 11 ग्रामों में जनसम्पर्क करेंगे। श्री देवडा आज प्रात: 09:00 बजे ग्राम बोतलगंज, प्रात: 10:30 बजे थडोद, प्रात: 11:00 बजे उजागरिया, प्रात: 11:30 बजे काचरिया चंद्रावत में जनसम्पर्क करेंगे। इसके बाद श्री देवडा आज दोपहर 12:00 बजे चावली, दोपहर 12:30 बाबूखेडा, दोपहर 02:00 बजे ढिकन्या, दोपहर 02:30 हरिपुरा, दोपहर 03:30 बजे बेलारा, सायं 04:00 बजे देवरी, सायं 05:00 बजे मिंडलाखेडा का जनसम्पर्क करेंगे। श्री देवडा के साथ जनसम्पर्क में क्षेत्र भाजपा कार्यकर्त्ताओं भी साथ रहेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की आमसभा आज

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ 03 नंबवर शुक्रवार को मंदसौर जिला मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी के सभी चार विधानसभा प्रत्याशी मंदसौर विधानसभा से श्री विपिन जैन, मल्हारगढ विधानसभा से प्रत्याशी श्री परशुराम सिसोदिया ,गरोठ भानपुरा विधानसभा प्रत्याशी श्री सुभाष कुमार सोजतिया ,सुवासरा विधानसभा से प्रत्याशी श्री राकेश पाटीदार के समर्थन में एक महती आम सभा को संबोधित करेंगे। यह आम सभा मंदसौर जिला मुख्यालय पर गांधी चौराहा पर प्रात: 10 बजे होगी। आम सभा के प्रभारी पूर्व विधायक श्री नवकृष्ण पाटिल ने बताया कि मध्य प्रदेश के लोकप्रिय पूर्व मुख्यमंत्री श्री कमलनाथ प्रात: 9:30 बजे मंदसौर और एयर स्ट्रीट पर पहुंचेंगे जहां मंदसौर जिले के वरिष्ठ नेता, जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, मंडलम अध्यक्ष स्वागत करेंगे उसके पश्चात श्री कमलनाथ सीधे गांधी चौराहा आमसभा स्थल पहुंच कर सभा को संबोधित करेंगे। इस आम सभा को सफल बनाने की अपील पूर्व विधायक श्री नवकृष्णा पाटिल,पुष्पा भारती, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह गुर्जर, जिला संगठन मंत्री राजेश सिंह रघुवंशी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ शेख मंदसौर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष डॉ राघवेंद्रसिंह तोमर, मंदसौर ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विकास दसोरा,दलोदा ब्लॉक अध्यक्ष बसंतीलाल सोलंकी कार्यवाहक अध्यक्ष सर्वश्री अंबालाल हिंगोरिया, सलीम खान, घनश्याम कुमावत ,मनीष चौहान, नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी,मंडलम अध्यक्ष रमेश ब्रिजवानी, पंकज जोशी, वकार खान, अजय सोनी, अजय मारू, शुभम कुमावत, विश्वनाथ सोनी, विजय जैन, दशरथ राठौर, नितेश सतीदासानी आदि ने सभा को सफल बनाने की अपील की है श्र उक्त जानकारी जिला कांग्रेस प्रवक्ता राजनारायण लाड ने दी।

गरोठ 108 एंबुलेंस में हुआ बालिका का जन्म

गरोठ, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जानकारी के अनुसार गांव आसरना तहसील भानपुरा निवासी निवासी मन्नी बाई पति मुकेश उम्र 24 वर्ष ने डिलीवरी के लिए 108 एंबुलेंस पर कॉल किया था सूचना मिलने पर करीब 40ज्ञा गरोठ थाने की 108 तुरंत गांव ओसरना पहुंची। को लेकर एंबुलेंस भानपुरा की ओर जा रही थी तभी महिला को प्रसव पीडा अधिक होने लगी महिला की स्थिति देखते हुए एंबुलेंस 108 में मौजूद स्टाफ इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन हरीश शर्मा एवं पायलट राकेश कमलवा ने रास्ते में ही एंबुलेंस को रोककर प्रसव कराने का निर्णय लिया महिला ने एक स्वस्थ बालिका को जन्म दिया दोनों को सिविल हॉस्पिटल भानपुरा में शिफ्ट करवाया जहां महिला की स्थिति सामान्य बताई जा रही हैं।

न्यायालय द्वारा सीएमओ को आवारा पशु मवेशियों के मालिको के विरुद्ध...

आपराधिक कार्यवाही करने के लिए आदेश पारित

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विनोद सालवी अधिवक्ता द्वारा शहर की सडको एवं कालोनियो मे घुमने वाले एवं सडको पर बैठने वाले आवारा मवेशियो के विरूद्ध विनोद कुमार अहिरवार के न्यायालय में प्रस्तुत अवमानना याचिका में गुरूवार को न्यायालय द्वारा मुख्य नगरपालिका अधिकारी मन्दसौर को न्यायालय प्रथम अपर जिला न्यायाधिश मन्दसौर द्वारा पूर्व में पारित लोक उपयोगी सेवा में पारित आदेश दिनांक 28.05.2018 के पैरा कंमाक 04 के अनुसार आवारा मवेशियों को किसी ऐसे स्थान पर किसी नम्बर विशेष से चिन्हित किया जाकर उनके स्वामि के सम्बंध मे सुची तैयार की जाये जो बारम्बार अपने पशुओ को आवारा छोडते हैं और ऐसे पशु स्वामियों के विरूध्द पशु अतिचार अधिनियम एवं नगरपालिका अधिनिमय के तहत उचित आपराधिक या वैधानिक कार्यवाही किये जाने के आदेश पारित किये है और साथ ही न्यायालय ने उक्त समस्त कार्यवाही कर कार्यवाही से सम्बंधित दस्तावेज दिनाक 02.12.2023 को न्यायालय में प्रस्तुत करने के आदेश पारित किये है।

चुनाव आयोग से सुप्रीम कोर्ट ने मांगी राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की जानकारी, कहा....

30 सितंबर 2023 तक का दें डाटा

नई दिल्ली, 2 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम मामले के तीसरे दिन सुनवाई कर चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे की जानकारी मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग सितबंर 2023 तक के चंदे की जानकारी दे। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आदेश दिया कि वह एसबीआई और राजनीतिक दलों से फंड की पूरी जानकारी ले।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को 30 सितंबर 2023 तक मिले फंद का डेटा चुनाव आयोग दे। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 2019 में दिए आदेश को याद दिलाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आदेश में था कि चुनाव आयोग को चुनावी बांड के जरिए फंड लेने वाले सभी राजनीतिक दलों के फंड की जानकारी देनी थी। उसके बाद भी क्या कारण है कि 2019 के बाद कोई डेटा सुप्रीम कोर्ट में नहीं दिया गया।

एसबीआई से ले लें डाटा– सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक दलों को 2023 तक चुनावी बांड के जरिए डोनेशन मिला है। हम उस डेटा पर एक नजर डालना चाहते हैं। जस्टिस संजीव खन्ना ने चुनाव आयोग से कहा कि आपके पास 2023 तक का डेटा होना चाहिए। सीजेआई ने कहा कि आपको जरूरत पडे तो एसबीआई और राजनीतिक दलों की मदद लेकर डेटा ले लें।

आरोपी प्रदीप को तीन माह तक निरोध में लेने का आदेश

नीमच, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टटर एवं जिला दण्डा धिकारी श्री दिनेश जैन द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 की धारा 3 की उपधारा(2) के अंतर्गत आरोपी प्रदीप पिता बालकिशन उर्फ बलिया ग्वाला निवासी भगवानपुरा नीमच सिटी को तीन माह की अवधि तक निरोध में लिए जाने का आदेश जारी किया गया है।

जूनियर रेडक्रास दल ने निकाली नगर में मतदाता जागरूकता रैली

मंदसौर, 2 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जूनियर रेडक्रॉस दलों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। यह मतदाता जागरूकता रैली का शुभारंभ गांधी चौराहा पर जिला शिक्षा अधिकारी टेरेसा मिंस, महारानी लक्ष्मीबाई हा.से.स्कूल प्राचार्य के. सी. सोलंकी, शा.उ.मा.वि. क्र. 2 प्राचार्य धर्मपाल सिंह देवडा आदि ने किया। रैली ने मंदसौर नगर में भ्रमण कर सभी को आगामी विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की। रैली में शामिल शामिल छात्र-छात्राओं ने हाथों में मतदान हेतु प्रेरित करने वाले स्लोगन वाली तख्तियां ले रखी थी। सभी मतदान के नारे भी लगाये।

इस दौरान जिला क्रीडा अधिकारी बीएल बारीवाल ,स्काउट कमिश्नर सलमा शाह, विकासखंड प्रभारी मनोहर लाल शर्मा, विनोद कुमार जोशी ,एनसीसी अधिकारी विजय सिंह पुरावत,चेतन दास गनछेड, जिला मीडिया प्रभारी मोहम्मद उमर शेख, ब्लॉक प्रभारी स्काउट सुखदेव बोरीवाल, शांता व्यास, जितेंद्र पंवार सहित बडी संख्या में जूनियर रेडक्रॉस केडेट्स उपस्थित थे। अंत में मतदाता जागरूकता शपथ प्राचार्य धर्मपाल सिंह देवडा ने दिलाई और राष्ट्रगान के साथ रैली का समापन किया गया।

मंदसौर में 31, नीमच में... पेज 1 से जारी

मोबाईल ही आउट ऑफ या बंद कर दिया। फेसबुक पर पोस्ट करके नेटवर्क प्राब्लम की जानकारी दी। साथ ही दो समर्थकों के नंबर डालकर इनसे बात करने की बात कहीं।

सुवासरा–मंदसौर– नीमच में सबसे ज्यादा– प्रत्याशियों की बात करे तो मंदसौर और सुवासरा में सबसे ज्यादा प्रत्याशी मैदान में है। यहां भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशी को मिलाकर कुल 9 प्रत्याशी मैदान में डटे हैं। इसी तरह से मल्हारगढ में 6 और गरोठ में सात प्रत्याशी मैदान में है। जबकि, नीमच में 9 उम्मीदवार मैदान में है।

जाहिर सूचना

दिनांक : 03/11/2023

सर्व संबंधित को इस जाहिर सूचना द्वारा यह सूचित किया जाता है कि मैं जगदीश देवड़ा निवासी 32 श्याम नगर मन्दसौर जो कि मध्यप्रदेश निर्वाचन में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 225 मल्हारगढ़ से भारतीय जनता पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी हूं । मेरे या मेरे निर्वाचन अभिकर्ता (इलेक्शन एजेंट) की पूर्व लिखित सहमति के बिना मेरी और से या मेरे लिए किसी भी प्रकार की निर्वाचन संबंधी फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर, पेम्पलेट्स, ब्रोशर्स या अन्य किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री, पर मुद्रण/ प्रकाशन/ प्रसारण, इत्यादि ना करें मेरी या मेरे निर्वाचन अभिकर्ता की सहमति के बिना यदि ऐसा किया जाता है तो आप स्वयं उत्तरदायी होंगे ।

भवदीय

जगदीश देवड़ा
प्रत्याशी (भारतीय जनता पार्टी)
विधानसभा क्षेत्र 225 मल्हारगढ़

जाहिर सूचना

दिनांक- 02.11.2023

सर्व संबंधित को इस जाहिर सूचना द्वारा यह सूचित किया जाता है कि मैं यशपाल सिंह सिसौदिया निवासी म.क्र.8, 9,10 यश नगर फेस 2 तह. व जिला मंदसौर जो कि मध्यप्रदेश निर्वाचन में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 224 मंदसौर से भारतीय जनता पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी हूं। मेरे या मेरे निर्वाचन अभिकर्ता (इलेक्शन एजेंट) की पूर्व लिखित सहमति के बिना मेरी और से या मेरे लिए किसी भी प्रकार की निर्वाचन संबंधी फ्लेक्स, बैनर, पोस्टर, पेम्पलेट्स, ब्रोशर्स या अन्य किसी भी प्रकार की प्रचार–सामग्री, सोश्यल मिडिया पर मुद्रण/ प्रकाशन/ प्रसारण इत्यादि ना करें मेरी या मेरे निर्वाचन अभिकर्ता की सहमति के बिना यदि ऐसा किया जाता है तो आप स्वयं उत्तरदायी होंगे।

भवदीय
यशपाल सिंह सिसौदिया
प्रत्याशी (भारतीय जनता पार्टी)
विधानसभा क्षेत्र 224 मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in